

---

Shri Nandikeshapancharatnamalika Stuti

श्रीनन्दिकेशपञ्चरत्नमालिकास्तुतिः

Document Information

---

Text title : Shri Nandikeshapancharatnamalika Stuti

File name : nandikeshapancharatnamAlikAstutiH.itx

Category : shiva, pancharatna, stuti, shankarAchArya

Location : doc\_shiva

Proofread by : Aruna Narayanan

Description/comments : From shrInaTarAjastavamanjarI

Latest update : July 10, 2022

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 10, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीनन्दिकेशपञ्चरत्नमालिकास्तुतिः



नमज्जनाखिलाशुभाशुशुक्षणिं नगस्थितं  
नगेन्द्रजापतिप्रियं नराशभङ्गविक्रमम् ।  
नितान्तमीशसन्निधौ च भक्तवर्गसद्भुतं  
नमामि नन्दिकेश्वरं शिलादजं गणेश्वरम् ॥ १ ॥

दिगीश्वरार्चिताङ्घ्रि पङ्कजातमद्भुताकृतिं  
नितान्तशम्भुनर्तनात्तमद्वलं वृषाननम् ।  
दिवाकरक्षपेशवहि लोचनत्रयोज्ज्वलं  
नमामि नन्दिकेश्वरं शिलादजं गणेश्वरम् ॥ २ ॥

पुरा हि जातु रक्षसामधीश्वरं स्वमाननं  
हसन्तमीक्ष्य कोपतः शशाप यो वृषेश्वरः ।  
तथैव विष्णुवाहनः प्रशिक्षितश्च लीलया  
नमामि नन्दिकेश्वरं शिलादजं गणेश्वरम् ॥ ३ ॥

मुधा परो मुकुन्द एव सर्वदेवतास्विति  
प्रजल्पयन्तमग्रतो मुनिं पराशरात्मजम् ।  
क्रुधा स्वकीयहुङ्कुतेरशिक्षयच्च योगिराट्  
नमामि नन्दिकेश्वरं शिलादजं गणेश्वरम् ॥ ४ ॥


मुहुर्मुहुर्जपन्वरं परं च रौद्रमादरात्  
अवाप यो महेश्वराश्च नित्यनिर्विकल्पताम् ।  
सुकेतुतां प्रवाहतां गणेशतां च साम्यतां  
नमामि नन्दिकेश्वरं शिलादजं गणेश्वरम् ॥ ५ ॥


सुपञ्चरत्नमालिकामिमां पठन्ति ये नराः  
सुपुत्रमित्रभृत्यधान्य सत्कलत्रसम्पदः ।  
अरोगतां च योगसिद्धिमप्यहो यदीप्सितं  
समृद्धिमप्ययाचितं भजन्ति वाग्विलासताम् ॥ ६ ॥

इति श्रीशङ्करभगवत्पादविरचिता श्रीनन्दिकेशपञ्चरत्नमालिकास्तुतिः समाप्ता ।

Proofread by Aruna Narayanan

---

——  
*Shri Nandikeshapancharatnamalika Stuti*  
pdf was typeset on July 10, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

